युवा प्रतिभाओं के संदेश के साथ एसडी कॉलेज में 29 वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संपन्न

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार-विमर्श, उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सम्मेलन ने वैज्ञानिक नवाचार, अंतरविषयी अनुसंधान और युवा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाले एक प्रभावी मंच की भूमिका निभाई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुँचे। वहीं, आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेजर वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया। पंजाब साइंस कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और छात्रों के बीच ज्ञान साझा करने, नए विचारों और भविष्य की शोध संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई, जिससे यह एक सार्थक और प्रभावशाली आयोजन के रूप में उभरकर सामने आई। पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर प्रो. आरसी सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और टिकाऊ शोध के केंद्र के रूप में पंजाब की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन ज्ञान आधारित और विकसित भारत के निर्माण के भारत के संकल्प को भी मजबूती देता है। साइंस कांग्रेस में आज की वैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं से जुड़े नए शोध और उनके व्यावहारिक समाधान सामने रखे गए। डॉ. अनिल कुमार ने गंभीर दिमागी चोट के इलाज के लिए नई तरह की संयुक्त उपचार पद्धति पर अपने शोध की जानकारी दी। डॉ. पवित्रा रणावत ने सी बकथॉर्न के दिमाग की रक्षा करने वाले लाभों पर किए गए अध्ययन प्रस्तुत किए। वहीं डॉ. विजय कुमार ने टीबी के प्रति आनुवंशिक संवेदनशीलता पर अपने शोध के माध्यम से बताया कि भविष्य में इलाज को व्यक्ति विशेष के अनुसार कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। इन शोध प्रस्तुतियों ने यह साफ किया कि व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार इलाज और शोध को सीधे इलाज से जोड़ना आज के समय की बड़ी आवश्यकता है। कांग्रेस में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल नवाचारों पर भी विशेष ज़ोर दिया गया। प्रो. गंगा राम चौधरी और डॉ. राजीव कुमार सहित विशेषज्ञों ने उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी के पर्यावरण-अनुकूल उपचार और हरित नैनो-कणों के निर्माण से जुड़ी तकनीकों को प्रस्तुत किया। इसके साथ ही नैनोटेक्नोलॉजी, डिजिटल हेल्थ और दवा क्षेत्र में नवाचारों पर आयोजित सत्रों में यह दिखाया गया कि किस तरह विज्ञान को सीधे समाज की जरूरतों से जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता ने कार्यक्रम को वैश्विक दृष्टिकोण भी दिया। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा की डॉ. मीनू शर्मा ने तपेदिक (टीबी) की नई और आधुनिक जांच तकनीकों पर चर्चा की। डॉ. सिकंदर सिंह गिल ने दवाओं की सुरक्षा से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी साझा की। वहीं एनआईपीईआर मोहाली के डॉ. दुलाल पांडा ने कैंसर उपचार के लिए माइक्रोट्यूब्यूल को लक्षित करने वाली नई थैरेपी पर अपने शोध को प्रस्तुत किया। कांग्रेस में उभरते हुए वैज्ञानिकों को भी विशेष सम्मान दिया गया। मौखिक प्रस्तुतियों और यंग साइंटिस्ट अवाड्र्स के माध्यम से छात्रों और नए शोधकर्ताओं को देश-विदेश के विशेषज्ञों के सामने अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

पंजाब साइंस कांग्रेस में वैज्ञानिक-सामाजिक समस्याओं के समाधान पर केंद्रित रहा मंथन

H.T. Chandigarh 10-2-26

29th Punjab Science Congress concludes at GGDSD College

CHANDIGARH : The two-day 29th Punjab Science Congress concluded at GGDSD college on Monday. The Congress highlighted pioneering research and practical solutions addressing contemporary scientific and societal challenges and celebrated emerging scientists through oral presentations and young scientist awards. Key presentations included Dr Anil Kumar's work on combination therapies for traumatic brain injury. HTC

वैश्विक शोध और युवा प्रतिभाओं के संदेश के साथ एसडी कॉलेज में 29 वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संपन्न

➪ पंजाब साइंस कांग्रेस में आज की वैज्ञानिक-सामाजिक समस्याओं के समाधान पर केंद्रित रहा मंथन

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार-विमर्श, उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सम्मेलन ने वैज्ञानिक नवाचार, अंतरविषयी अनुसंधान और युवा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाले एक प्रभावी मंच की भूमिका निभाई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुँचे।

वहीं, आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेज़र वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया। पंजाब साइंस कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और छात्रों के बीच ज्ञान साझा करने, नए विचारों और भविष्य की शोध संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई, जिससे यह एक सार्थक और प्रभावशाली आयोजन के रूप में उभरकर सामने आई। पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर प्रो.आरसी सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और टिकाऊ शोध के केंद्र के रूप में पंजाब की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन ज्ञान आधारित और विकसित भारत के निर्माण के भारत के संकल्प को भी मजबूती देता है।

विकसित भारत के विजन को गति देने के लिए आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस का एसडी कॉलेज में हुआ आगाज

» मदरलैंड संवाददाता

- तीन दिवसीय पंजाब साइंस कांग्रेस में देश-भर से एक हजार से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षाविद और युवा शोधार्थी हुए शामिल

चंडीगढ़। पंजाब एकेडमी ऑफ साइंसेज, पटियाला के तत्वावधान में 'कटिंग-एज साइंस एंड टेक्नोलॉजीः एक विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनानाह्व थीम पर आयोजित तीन दिवसीय 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस का उद्घाटन शनिवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में हुआ। इस प्रतिष्ठित अकादमिक आयोजन में देशभर से एक हजार से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षाविद, नीति-निमार्ता और युवा शोधार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया गया। पंजाब साइंस कांग्रेस के साथ-साथ कॉलेज परिसर में इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप फेस्ट का भी उद्घाटन किया गया, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, स्टार्ट-अप संस्कृति और युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस आयोजन को इंडिया नेशनल साइंस एकेडमी के चंडीगढ़ चैप्टर का भी सहयोग प्राप्त है।

कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने मंचासीन सभी विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। मंच पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में पंजाब एकेडमी ऑफ साइंसेज के अध्यक्ष डॉ. तरलोक सिंह, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के वाइस चांसलर प्रो. जगदीप सिंह, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला के वाइस-चांसलर प्रो. महावीर सिंह, शहीद भगत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी, फिरोजपुर के वाइस-चांसलर प्रो. सुरेश शर्मा, आईसीएमआर के मानद एमेरिटस वैज्ञानिक एवं इंडिया नेशनल साइंस एकेडमी के उपाध्यक्ष (आंतरिक मामले) डॉ. नरेंद्र के. मेहरा, शूलिनी यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. पीके खोसला, पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलपप्रो.आरसी सोबती तथा आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. एनके गांगुली शामिल रहे। इसके अतिरिक्त देश-विदेश से आए अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संवाद, सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक सशक्त एवं गतिशील मंच है। यह आयोजन युवा वैज्ञानिकों और शोधार्थियों में नवोन्मेषी सोच तथा नीति-आधारित शोध को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

Punjab Kesari 10-2-26

चर्चा | वैश्विक शोध और युवा प्रतिभाओं के संदेश के साथ पंजाब साइंस कांग्रेस संपन्न

अनुसंधान तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज तक पहुंचे : डा. रविंदर झांडू

साइंस कांग्रेस में वैज्ञानिक, सामाजिक समस्याओं के समाधान पर केंद्रित रहा मंथन

चंडीगढ़ 9 फरवरी (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार-विमर्श, उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुंचे।

आई.आई.टी. रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेजर वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया। पंजाब साइंस कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और छात्रों के बीच ज्ञान साझा करने, नए विचारों और भविष्य की शोध संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई । पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर प्रो.आर.सी. सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और टिकाऊ शोध के केंद्र के रूप में पंजाब की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन ज्ञान आधारित और विकसित भारत के निर्माण के भारत के संकल्प को भी मजबूती देता है। साइंस कांग्रेस में आज की वैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं से जुड़े नए शोध और उनके व्यावहारिक समाधान सामने रखे गए।

कांग्रेस में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल नवाचारों पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रो. गंगा राम चौधरी और डॉ. राजीव कुमार सहित विशेषज्ञों ने उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी के पर्यावरण-अनुकूल उपचार और हरित नैनो-कणों के निर्माण से जुड़ी तकनीकों को प्रस्तुत किया। इसके साथ ही नैनोटेक्नोलॉजी, डिजिटल हैल्थ और दवा क्षेत्र में नवाचारों पर आयोजित सत्रों में यह दिखाया गया कि किस तरह विज्ञान को सीधे समाज की जरूरतों से जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस में अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता ने कार्यक्रम को वैश्विक दृष्टिकोण भी दिया।

कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा की डॉ. मीनू शर्मा ने तपेदिक की नई और आधुनिक जांच तकनीकों पर चर्चा की। डॉ. सिकंदर सिंह गिल ने दवाओं की सुरक्षा से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी साझा की। एन.आई.पी.ई.आर. मोहाली के डॉ. दुलाल पांडा ने कैंसर उपचार के लिए माइक्रोट्यूब्यूल को लक्षित करने वाली नई थैरेपी पर अपने शोध को प्रस्तुत किया। कांग्रेस में उभरते हुए वैज्ञानिकों को भी विशेष सम्मान दिया गया। मौखिक प्रस्तुतियों और यंग साइंटिस्ट अवार्ड्स के माध्यम से छात्रों और नए शोधकर्ताओं को देश-विदेश के विशेषज्ञों के सामने अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

सैक्टर-32 स्थित जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए शिक्षक। (राणा)

दिमागी चोट के इलाज के लिए शोध की दी जानकारी

डॉ. अनिल कुमार ने गंभीर दिमागी चोट के इलाज के लिए नई तरह की संयुक्त उपचार पद्धति पर अपने शोध की जानकारी दी। डॉ. पवित्रा रणावत ने सी बकथॉर्न के दिमाग की रक्षा करने वाले लाभों पर किए गए अध्ययन प्रस्तुत किए। वहीं डॉ. विजय कुमार ने टी.बी. के प्रति आनुवंशिक संवेदनशीलता पर अपने शोध के माध्यम से बताया कि भविष्य में इलाज को व्यक्ति विशेष के अनुसार कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। इन शोध प्रस्तुतियों ने यह साफ किया कि व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार इलाज और शोध को सीधे इलाज से जोड़ना आज के समय की बड़ी आवश्यकता है।

वैश्विक शोध और युवा प्रतिभाओं के संदेश के साथ एसडी कॉलेज में 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संपन्न

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार-विमर्श, उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सम्मेलन ने वैज्ञानिक नवाचार, अंतरविषयी अनुसंधान और युवा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाले एक प्रभावी मंच की भूमिका निभाई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुँचे। वहीं, आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेज़र वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया।

पंजाब साइंस कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और छात्रों के बीच ज्ञान साझा करने, नए विचारों और भविष्य की शोध संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई, जिससे यह एक सार्थक और प्रभावशाली आयोजन के रूप में उभरकर सामने आई। पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर प्रो.आरसी सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और टिकाऊ शोध के केंद्र के रूप में पंजाब की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है।

वैश्विक शोध और युवा प्रतिभाओं के संदेश के साथ एसडी कॉलेज में 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस सम्पन्न

चंडीगढ़, 9 फरवरी (राम सिंह बराड़): सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार-विमर्श, उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सम्मेलन ने वैज्ञानिक नवाचार, अंतरविषयी अनुसंधान और युवा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाले एक प्रभावी मंच की भूमिका निभाई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुंचे। वहीं, आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेज़र वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया। पंजाब साइंस कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और छात्रों के बीच ज्ञान साझा करने, नए विचारों और भविष्य की शोध संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई, जिससे यह एक सार्थक और प्रभावशाली आयोजन के रूप में उभरकर सामने आई। पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर प्रो.आरसी सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और टिकाऊ शोध के केंद्र के रूप में पंजाब की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन ज्ञान आधारित और विकसित भारत के निर्माण के भारत के संकल्प को भी मजबूती देता है। साइंस कांग्रेस में आज की वैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं से जुड़े नए शोध और उनके व्यावहारिक समाधान सामने रखे गए। डॉ. सिकंदर सिंह गिल ने दवाओं की सुरक्षा से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी साझा की। वहीं एनआईपीईआर के डॉ. दुलाल पांडा ने कैंसर उपचार के लिए माइक्रोट्यूब्यूल को लक्षित करने वाली नई थैरेपी पर अपने शोध को प्रस्तुत किया। कांग्रेस में उभरते हुए वैज्ञानिकों को भी विशेष सम्मान दिया गया। मौखिक प्रस्तुतियों और यंग साइंटिस्ट अवार्ड्स के माध्यम से छात्रों और नए शोधकर्ताओं को देश-विदेश के विशेषज्ञों के सामने अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

एसडी कॉलेज में 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस दौरान उपस्थित डॉ. रविंदर झांडू, डॉ. राजीव आहूजा, डॉ. जेम्स मैंडिगो, प्रो.आरसी सोबती व् अन्य। (छायाः गुरिंदर सिंह)

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
10-Feb-2026
Page: 5
http://www.ajitsamachar.com/20260210/20/5/1_1.cms

Arth Parkash 10-2-26

पंजाब साइंस कांग्रेस में वैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं के समाधान पर केंद्रित रहा मंथन

वैश्विक शोध और युवा प्रतिभाओं के संदेश के साथ एसडी कॉलेज में 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संपन्न

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार-विमर्श, उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सम्मेलन ने वैज्ञानिक नवाचार, अंतरविषयी अनुसंधान और युवा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाले एक प्रभावी मंच की भूमिका निभाई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुँचे।

वहीं, आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेज़र वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया।

पंजाब साइंस कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और छात्रों के बीच ज्ञान साझा करने, नए विचारों और भविष्य की शोध संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई, जिससे यह एक सार्थक और प्रभावशाली आयोजन के रूप में उभरकर सामने आई। पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर प्रो.आरसी सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और टिकाऊ शोध के केंद्र के रूप में पंजाब की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन ज्ञान आधारित और विकसित भारत के निर्माण के भारत के संकल्प को भी मजबूती देता है।

एसडी कॉलेज में 29 वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संपन्न

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार-विमर्श, उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सम्मेलन ने वैज्ञानिक नवाचार, अंतरविषयी अनुसंधान और युवा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाले एक प्रभावी मंच की भूमिका निभाई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुँचे।

वहीं, आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेज़र वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया।

Chandigarh Tribune

युवाओं को रिसर्च- इनोवेशन के लिए प्रेरित किया गया

चंडीगढ़| जीजीडीएसडी-32 में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिन के वैज्ञानिक मंथन के बाद संपन्न हो गई। सम्मेलन में साइंटिफिक इनोवेशन, इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च और युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने पर जोर रहा। समापन सेशन में देश-विदेश के एकेडमीशियन और साइंटिस्ट्स शामिल हुए।

डॉ. रविंदर झांडू ने कहा कि रिसर्च तभी सार्थक है जब उसका सीधा लाभ समाज तक पहुंचे। आईआईटी रोपड़ के डायरेक्टर डॉ. राजीव आहूजा ने इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को समय की जरूरत बताया और युवाओं को रिसर्च व इनोवेशन के लिए प्रेरित किया। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेजर वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने ग्लोबल चैलेंजेस से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को जरूरी बताया।

विकसित भारत के विजन को गति देने के लिए आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस का एसडी कॉलेज में आगाज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब एकेडमी ऑफ साइंसेज, पटियाला के तत्वावधान में ब्लकटिंग-एज साइंस एंड टेक्नोलॉजीः एक विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनानाब्ल्थीम पर आयोजित तीन दिवसीय 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस का उद्घाटन शनिवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में हुआ। इस प्रतिष्ठित अकादमिक आयोजन में देशभर से एक हजार से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षाविद, नीति-निमार्ता और युवा शोधार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया गया। पंजाब साइंस कांग्रेस के साथ-साथ कॉलेज परिसर में इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप फेस्ट का भी उद्घाटन किया गया, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, स्टार्ट-अप संस्कृति और युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस आयोजन को इंडिया नेशनल साइंस एकेडमी के चंडीगढ़ चैप्टर का भी सहयोग प्राप्त है।

कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने मंचासीन सभी विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। मंच पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में पंजाब एकेडमी ऑफ साइंसेज के अध्यक्ष डॉ. तरलोक सिंह, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के वाइस चांसलर प्रो. जगदीप सिंह, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला के वाइस-चांसलर प्रो. महावीर सिंह, शहीद भगत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी, फिरोजपुर के वाइस-चांसलर प्रो. सुरेश शर्मा, आईसीएमआर के मानद एमेरिटस वैज्ञानिक एवं इंडिया नेशनल साइंस एकेडमी के उपाध्यक्ष (आंतरिक मामले) डॉ. नरेंद्र के. मेहरा, शूलिनी यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. पीके खोसला, पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलप प्रो.आरसी सोबती तथा आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. एनके गांगुली शामिल रहे। इसके अतिरिक्त देश-विदेश से आए अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संवाद, सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक सशक्त एवं गतिशील मंच है। यह आयोजन युवा वैज्ञानिकों और शोधार्थियों में नवोन्मेषी सोच तथा नीति-आधारित शोध को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अनुसंधान उत्कृष्टता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में जीजीडीएसडी कॉलेज की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वहीं, पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर एवं वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. आरसी सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस नवाचार, अनुसंधान उत्कृष्टता और युवा नेतृत्व वाली वैज्ञानिक जिज्ञासा का उत्सव है। उन्होंने कहा कि शिक्षाविदों, नीति-निमार्ताओं और युवा वैज्ञानिकों को एक मंच पर लाकर यह आयोजन रचनात्मकता और अंतरविषयक सहयोग की संस्कृति को मजबूत कर रहा है, जो भारत को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पंजाब एकेडमी ऑफ साइंसेज, पटियाला की ओर से प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को विभिन्न सम्मान प्रदान किए गए। ऑनरेरी फैलो के रूप में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के वाइस-चासंलर प्रो. जगदीप सिंह, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. दिनेश गोयल, प्रो. एचएस विर्क तथा प्रो. केके अग्रवाल को सम्मानित किया गया।

Dainik Savera Times 10-2-26

वैश्विक शोध और युवा प्रतिभाओं के संदेश के साथ एसडी कॉलेज में 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संपन्न

पंजाब साइंस कांग्रेस में आज की वैज्ञानिक सामाजिक समस्याओं के समाधान पर केंद्रित रहा मंथन

समारोह में उपस्थित अतिथि

सवेरा न्यूज/नीना शर्मा

चंडीगढ़, 9 फरवरी : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार-विमर्श, उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सम्मेलन ने वैज्ञानिक नवाचार, अंतरविषयी अनुसंधान और युवा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाले एक प्रभावी मंच की भूमिका निभाई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुँचे।

आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेज़र वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया। पंजाब साइंस कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और छात्रों के बीच ज्ञान सांझा करने, नए विचारों और भविष्य की शोध संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई, जिससे यह एक सार्थक और प्रभावशाली आयोजन के रूप में उभरकर सामने आई। पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर प्रो.आरसी सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और टिकाऊ शोध के केंद्र के रूप में पंजाब की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन ज्ञान आधारित और विकसित भारत के निर्माण के भारत के संकल्प को भी मजबूती देता है।

साइंस कांग्रेस में आज की वैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं से जुड़े नए शोध और उनके व्यावहारिक समाधान सामने रखे गए। डॉ. अनिल कुमार ने गंभीर दिमागी चोट के इलाज के लिए नई तरह की संयुक्त उपचार पद्धति पर अपने शोध की जानकारी दी। डॉ. पविता रणावत ने सी बकथॉर्न के दिमाग की रक्षा करने वाले लाभों पर किए गए अध्ययन प्रस्तुत किए। वहीं डॉ. विजय कुमार ने टीबी के प्रति आनुवंशिक संवेदनशीलता पर अपने शोध के माध्यम से बताया कि भविष्य में इलाज को व्यक्ति विशेष के अनुसार कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। इन शोध प्रस्तुतियों ने यह साफ किया कि व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार इलाज और शोध को सीधे इलाज से जोड़ना आज के समय की बड़ी आवश्यकता है। कांग्रेस में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल नवाचारों पर भी विशेष ज़ोर दिया गया। प्रो. गंगा राम चौधरी और डॉ. राजीव कुमार सहित विशेषज्ञों ने उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी के पर्यावरण-अनुकूल उपचार और हरित नैनो-कणों के निर्माण से जुड़ी तकनीकों को प्रस्तुत किया। इसके साथ ही नैनोटेक्नोलॉजी, डिजिटल हेल्थ और दवा क्षेत्र में नवाचारों पर आयोजित सत्रों में यह दिखाया गया कि किस तरह विज्ञान को सीधे समाज की ज़रूरतों से जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता ने कार्यक्रम को वैश्विक दृष्टिकोण भी दिया। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा की डॉ. मीनू शर्मा ने तपेदिक (टीबी) की नई और आधुनिक जांच तकनीकों पर चर्चा की। डॉ. सिकंदर सिंह गिल ने दवाओं की सुरक्षा से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी सांझा की। वहीं एनआईपीईआर मोहाली के डॉ. दुलाल पांडा ने कैंसर उपचार के लिए माइक्रो ट्यूब्यूल को लिक्षत करने वाली नई थैरेपी पर अपने शोध को प्रस्तुत किया। कांग्रेस में उभरते हुए वैज्ञानिकों को भी विशेष सम्मान दिया गया। मौखिक प्रस्तुतियों और यंग साइंटिस्ट अवार्ड्स के माध्यम से छात्रों और नए शोधकर्ताओं को देश-विदेश के विशेषज्ञों के सामने अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

वैश्विक शोध और युवा प्रतिभाओं के संदेश के साथ एसडी कॉलेज में 29 वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संपन्न

देश प्यार चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार-विमर्श, उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सम्मेलन ने वैज्ञानिक नवाचार, अंतरविषयी अनुसंधान और युवा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाले एक प्रभावी मंच की भूमिका निभाई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुँचे।

वहीं, आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेज़र वैली के वाइस चांसलर डॉ. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया। पंजाब साइंस कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और छात्रों के बीच ज्ञान साझा करने, नए विचारों और भविष्य की शोध संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई, जिससे यह एक सार्थक और प्रभावशाली आयोजन के रूप में उभरकर सामने आई। पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर प्रो.आरसी सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और टिकाऊ शोध के केंद्र के रूप में पंजाब की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन ज्ञान आधारित और विकसित भारत के निर्माण के भारत के संकल्प को भी मजबूती देता है। साइंस कांग्रेस में आज की वैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं से जुड़े नए शोध और उनके व्यावहारिक समाधान सामने रखे गए। डॉ. अनिल कुमार ने गंभीर दिमागी चोट के इलाज के लिए नई तरह की संयुक्त उपचार पद्धति पर अपने शोध की जानकारी दी। डॉ. पवित्रा रणावत ने सी बकथॉर्न के दिमाग की रक्षा करने वाले लाभों पर किए गए अध्ययन प्रस्तुत किए। वहीं डॉ. विजय कुमार ने टीबी के प्रति आनुवंशिक संवेदनशीलता पर अपने शोध के माध्यम से बताया कि भविष्य में इलाज को व्यक्ति विशेष के अनुसार कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। इन शोध प्रस्तुतियों ने यह साफ किया कि व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार इलाज और शोध को सीधे इलाज से जोड़ना आज के समय की बड़ी आवश्यकता है।

कांग्रेस में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल नवाचारों पर भी विशेष ज़ोर दिया गया। प्रो. गंगा राम चौधरी और डॉ. राजीव कुमार सहित विशेषज्ञों ने उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी के पर्यावरण-अनुकूल उपचार और हरित नैनो-कणों के निर्माण से जुड़ी तकनीकों को प्रस्तुत किया। इसके साथ ही नैनोटेक्नोलॉजी, डिजिटल हेल्थ और दवा क्षेत्र में नवाचारों पर आयोजित सत्रों में यह दिखाया गया कि किस तरह विज्ञान को सीधे समाज की ज़रूरतों से जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता ने कार्यक्रम को वैश्विक दृष्टिकोण भी दिया। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा की डॉ. मीनू शर्मा ने तपेदिक (टीबी) की नई और आधुनिक जांच तकनीकों पर चर्चा की। डॉ. सिकंदर सिंह गिल ने दवाओं की सुरक्षा से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी साझा की। वहीं एनआईपीईआर मोहाली के डॉ. दुलाल पांडा ने कैंसर उपचार के लिए माइक्रोट्यूब्यूल को लक्षित करने वाली नई थैरेपी पर अपने शोध को प्रस्तुत किया। कांग्रेस में उभरते हुए वैज्ञानिकों को भी विशेष सम्मान दिया गया। मौखिक प्रस्तुतियों और यंग साइंटिस्ट अवाइर्स के माध्यम से छात्रों और नए शोधकर्ताओं को देश-विदेश के विशेषज्ञों के सामने अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

Divya Himachal 10-2-26

एसडी कालेज में विशेषज्ञों ने पढ़े शोध

सेक्टर-32 में स्पेशल लेक्चर के साथ पंजाब साइंस कांग्रेस का समापन

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

चंडीगढ़। कार्यक्रम के दौरान गणमान्यों को सम्मानित करने का दौर

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस तीन दिनों के विचार विमर्श उच्चस्तरीय प्लेनरी लेक्चर और शोध प्रस्तुतियों के बाद सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सम्मेलन ने वैज्ञानिक नवाचार, अंतरविषयी अनुसंधान और युवा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाले एक प्रभावी मंच की भूमिका निभाई। समापन समारोह में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डा. रविंदर झांडू ने शोध कार्यों के सामाजिक और व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज तक पहुंचे। वहीं, आईआईटी रोपड़ के निदेशक डा. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवा प्रतिभाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेज़र वैली के वाइस चांसलर डा. जेम्स मैंडिगो ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को अनिवार्य बताया। पंजाब साइंस कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और छात्रों के बीच ज्ञान साझा करने, नए विचारों और भविष्य की शोध संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई, जिससे यह एक सार्थक और प्रभावशाली आयोजन के रूप में उभरकर सामने आई।